

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

सिंगफील्ड कप 2025 : भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद की संयुक्त बढ़त, गुकेश भी रैंकिंग में कंर रहे धमाकेदार प्रगति

Publisher

Published on 20 Aug 2025



अमेरिका में खेले जा रहे प्रतिष्ठित **सिंगफील्ड कप 2025** में भारत के युवा शतरंज सितारे **आर. प्रज्ञानानंद** ने एक बार फिर साबित किया है कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। विश्व के मशहूर ग्रैंडमास्टर **फैबियानो कारुआना** के खिलाफ एक कठिन और रणनीतिक मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने शानदार खेल दिखाते हुए मैच को ड्रों पर समाप्त किया। इस परिणाम के बाद उन्होंने अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी संयुक्त बढ़त बनाए रखी।

गुकेश की धमाकेदार वापसी

प्रज्ञानानंद के साथ भारत के एक और युवा सितारे डी. गुकेश ने भी इस बार के **सिंगफील्ड कप 2025** में शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती राउंड्स में धीमी शुरुआत के बाद गुकेश ने लगातार दो जीत दर्ज की, जिसने उनकी रैंकिंग को ऊपर धकेला। उनकी आक्रामक रणनीति और बेहतरीन ओपनिंग्स ने उन्हें दर्शकों और विशेषज्ञों दोनों की सराहना दिलाई है। यदि गुकेश इस फॉर्म को जारी रखते हैं तो वे टूर्नामेंट की शीर्ष रेस में शामिल हो सकते हैं।

सिंगफील्ड कप का महत्व

सिंगफील्ड कप शतरंज की दुनिया का एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है और यह ग्रैंड चेस टूर (GCT) का हिस्सा है। इसमें जीतने वाले को न सिर्फ़ बड़ी ट्रॉफी बल्कि मूल्यवान ग्रैंड चेस टूर अंक भी मिलते हैं। इन अंकों के आधार पर खिलाड़ियों को आगामी विश्व चैम्पियनशिप क्वालीफायर और अन्य बड़े टूर्नामेंट्स में सीधे प्रवेश मिलता है। इसीलिए हर मुकाबला खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम साबित होता है।

भारतीय शतरंज का उभरता युग

भारत में शतरंज का इतिहास **विश्वनाथन आनंद** के नाम से जुड़ा है। आनंद ने विश्व चैम्पियन बनकर भारत को पहली बार शतरंज

की वैश्विक पहचान दिलाई थी। लेकिन अब **सिंगफील्ड कप 2025** जैसे टूर्नामेंट्स में प्रज्ञानानंद और गुकेश का प्रदर्शन यह दर्शा रहा है कि नई पीढ़ी इस परंपरा को और ऊँचाइयों तक ले जा रही है। अरविंद चितांबरम, निहाल सरीन और आर्यन तरी जैसे युवा खिलाड़ी भी भारतीय शतरंज को नई ऊर्जा दे रहे हैं।

ये सभी खिलाड़ी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। खासकर प्रज्ञानानंद और गुकेश का यह सफर इस बात का सबूत है कि भारत आने वाले वर्षों में शतरंज का सबसे मजबूत केंद्र बन सकता है।

आज उसी राह पर चलते हुए **सिंगफील्ड कप 2025** जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में आर. प्रज्ञानानंद और डी. गुकेश अपने असाधारण खेल से इतिहास रच रहे हैं। दोनों खिलाड़ी न सिर्फ अंकतालिका में शीर्ष पर हैं बल्कि अपने खेल के दम पर यह संदेश भी दे रहे हैं कि भारत शतरंज का भविष्य है।

प्रज्ञानानंद की परिपक्वता और रणनीति उन्हें विश्व स्तर पर अलग पहचान दिला रही है। वहीं गुकेश का आक्रामक और बेखौफ़ अंदाज़ दर्शाता है कि भारतीय शतरंज अब किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटेगा। इन दोनों की कामयाबी युवा पीढ़ी के लिए एक मिसाल है और आने वाले समय में भारत को विश्व शतरंज का केंद्र बना सकती है।

इसके साथ ही, **अरविंद चितांबरम, निहाल सरीन और आर्यन तरी** जैसे उभरते सितारे भी भारतीय शतरंज को नई ऊर्जा दे रहे हैं। निहाल सरीन अपनी तेज़ चालों और तगड़े एंडगेम के लिए जाने जाते हैं, जबकि अरविंद और आर्यन ने कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन किया है। यह सभी खिलाड़ी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना चुके हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत की नई शतरंज प्रतिभाएँ लगातार तैयार हो रही हैं।

प्रज्ञानानंद बनाम कारुआना : सिंगफील्ड कप मैच विश्लेषण

कारुआना ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शुरुआती बढ़त लेने की कोशिश की। उन्होंने किंग्स इंडियन डिफेंस का सामना किया, लेकिन प्रज्ञानानंद ने अपनी सटीक चालों से उन्हें रोक दिया। मिड-गेम में कई बार बाज़ी पलटने की संभावना बनी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने धैर्य रखते हुए संतुलन बनाए रखा। 40वीं चाल तक पहुँचते-पहुँचते कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर पाया और मुकाबला ड्रॉ घोषित कर दिया गया। यह परिणाम प्रज्ञानानंद को **सिंगफील्ड कप 2025** की अंकतालिका में शीर्ष पर बनाए रखता है।

आगे की चुनौतियाँ

प्रज्ञानानंद को आगे मैग्नस कार्लसन, अलीरेज़ा फिरोज़ा और हिकारु नाकामुरा जैसे दिग्गजों से भिड़ना है। ये मुकाबले बेहद कठिन होंगे, लेकिन उनके मौजूदा फॉर्म को देखकर विशेषज्ञ मानते हैं कि वे इन दिग्गजों को कड़ी चुनौती दे सकते हैं। वहीं गुकेश भी अपनी शानदार लय में बने रहते हैं तो **सिंगफील्ड कप 2025** में दो भारतीय खिलाड़ियों की शीर्ष दावेदारी देखने को मिल सकती है।

निष्कर्ष

सिंगफील्ड कप 2025 में प्रज्ञानानंद की संयुक्त बढ़त और गुकेश की धमाकेदार रैंकिंग प्रगति इस बात का संकेत है कि भारतीय शतरंज का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। यह उपलब्धियाँ न केवल व्यक्तिगत जीत हैं, बल्कि भारत में शतरंज के नए युग की शुरुआत भी हैं। अब पूरी दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या भारत के ये युवा खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर पाएँगे।